न्यायालय आज्ञानुसार पेश हुई। वादी या वकील वादी कोई
उपस्थित नहीं आये। बार-बार आवाज लगवाई गई। अतः केस
सांय के 5 बजे चुके हैं। अंतिम बार आवाज लगवाई गई।
कोई उपस्थित नहीं आये न ही कोई प्रार्थना पत्र उपस्थित
आया। अतः वादी के वाद को आदेश कार्यवाही हेतु
पत्रावली अदम हाजरी अदम पैरवी खारिज की जाती
है। फैसला सुनाया गया। नकल जो बाद तकमील
शामिल मिसल रिकार्ड हो। सुनाया गया।

उपखण्डाधिकारी
मुण्डावर (अलवर) राज०

Scanned by CamScanner